



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 60]
No. 60]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 4, 2005/फाल्गुन 13, 1926
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 4, 2005/PHALGUNA 13, 1926

बाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(बाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 मार्च, 2005

अनिम जांच परिणाम—(मध्यावधि समीक्षा)

विषय: यूरोपीय संघ (ई.यू.), संयुक्त राज्य अमरीका, थाईलैंड तथा सिंगापुर मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एबी2डी3के के आयात संबंधी पाटनरोधी (मध्यावधि समीक्षा) जांच।

सं 15/21/2004-डीजीएडी- वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995(जिसे इसके बाद पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया:

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:-
 - i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक

1/7/2002 की अधिसूचना सं0 19/1/2001-डीजीएडी द्वारा अन्तिम जांच परिणामों को अधिसूचित किया जिसमें ईयू सं.रा. अमरीका, थाईलैंड तथा सिंगापुर मूल के अथवा वहां से निर्यातित एबी2 डी3 के विटामिन के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी ।

- ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975(यथासंशोधित) और उसके तहत बनाई गई सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 में प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह केन्द्रीय सरकार द्वारा लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को जारी रखे जाने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करे । बदली हुई परिस्थितियों के कारण यूरोपीय संघ (जिसे इसके बाद ईयू कहा गया है) ने अनुरोध किया कि प्राधिकारी द्वारा दिनांक 1/7/2002 की अधिसूचना सं0 19/1/2001-डीजीएडी द्वारा की गई सिफारिश की समीक्षा आरंभ की जाए ।
- (iii) इन अंतिम जांच-परिणामों की समीक्षा किए जाने के निर्णय के बाद प्राधिकारी ने दिनांक 14 सितंबर, 2004 की अधिसूचना सं0 15/21/2004-डीजीएडी द्वारा मौजूदा जांच आरंभ की ताकि ईयू सं.रा. अमरीका, थाईलैंड तथा सिंगापुर (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एबी2डी3के पर पाटनरोधी शुल्क लगाए रखे जाने की आवश्यकता की समीक्षा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथासंशोधित) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसार की जा सके । अधिसूचना सं0 19/1/2001-डीजीएडी के सभी पहलुओं को कवर किया गया है ।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच-आरंभ-अधिसूचना की एक-एक प्रति मूल पाटनरोधी जांच में उपलब्ध सूची के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों, क्षेत्रों, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे इस समीक्षा जांच के आरंभ किए जाने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें । किसी भी इच्छुक पक्षकार ने जांच-आरंभ अधिसूचना में अपना निवेदन प्रस्तुत नहीं किया ।
- (v) वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशक से अनुरोध किया गया कि वे संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं ।

- (vi) जांच-आरंभ अधिसूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के वास्ते फिक्की, सीआईआई और ऐसोचैम को भी भेजी गईं।
- (vii) प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराई जिसमें इच्छुक पक्षकारों द्वारा अगोपनीय अंश शामिल थे।
- (viii) प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पक्षकारों को यह अवसर प्रदान किया कि वे दिनांक 23 दिसंबर, 2004 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में अपने-अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत कर दें। इस सार्वजनिक सुनवाई में मध्यावधि समीक्षा के आवेदक के अलावा कोई अन्य इच्छुक पक्षकार उपस्थित नहीं हुआ।
- ix). किसी भी इच्छुक पक्षकार ने जांच प्रारंभि अधिसूचना का कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया।
- x) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार ज्ञात इच्छुक पक्षकारों को इन जांच परिणामों के लिए शामिल आवश्यक तथ्यों/आधार का दिनांक 2 जनवरी, 2005 को खुलासा किया गया और तथ्यों के प्रकटन के संबंध में किसी भी इच्छुक पक्षकार ने कोई टिप्पणी नहीं की।
- xi) जांच अवधि के लिए दिनांक 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक(12 महीने) की जांच की गई। किंतु क्षति विश्लेषण के लिए अप्रैल, 2000 से मार्च, 2001, अप्रैल, 2001 से मार्च, 2002, अप्रैल, 2002 से मार्च, 2003 और जांच अवधि के लिए जानकारी मांगी गई जिसे घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया।

ख. विचाराधीन उत्पाद

2. मूल जांच तथा मौजूदा समीक्षा में शामिल उत्पाद विटामिन एबी2डी3के है जो उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अध्याय 23 के तहत आता है। यह एक भूरे तथा पीले रंग का खुला पाऊँडर होता है जिसमें एबी2डी3 तथा के मूंगफली खाद्य शामिल होता है। किंतु यह वर्गीकरण केवल इंगितात्मक है और यह मौजूदा जांच के दायरे में किसी प्रकार से बाध्य नहीं है।

ग. समान वस्तु

3. विटामिन एबी2डी3के मुर्गीदाने का एक आवश्यक घटक होता है और यह बेहतर पोषण के लिए मुर्गी दाने आहार में अपेक्षित विटामिन स्तर पूरा करने के लिए होता है। इसे मुर्गीदाना मिलों, हैचरियों और फार्मों में मुर्गीदाना आहार में शामिल किया जाता है जो अपने आहार स्वयं पैदा करते हैं। विटामिन एबी2डी3के का प्रयोग मुर्गीदाना आहार मिलों तथा अन्य प्रयोक्ताओं द्वारा अदला-बदली करके किया जाता है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा विटामिन एबी2डी3के का उत्पादन आयातित एबी2डी3के से मिलते-जुलते विशेषता के रूप में किया जाता है और यह वाणिज्यिक तथा तकनीकी, दोनों दृष्टियों से प्रतिस्थापनीय होता है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध माल को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों द्वारा निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु के रूप में माना गया है।

घ. घरेलू उद्योग

4. मूल जांच में पाटनरोधी जांच के लिए आवेदन-पत्र घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स निकोलस पीरामल इंडिया लिडो द्वारा दायर किया गया। वे भारत में संबद्ध माल के प्रमुख उत्पादक हैं और पाटनरोधी नियमावली के तहत याचिका दायर करने के लिए आवश्यक दर्जा रखते हैं। इस मध्यावधि समीक्षा की पाटनरोधी जांच में संबद्ध माल के किसी भी घरेलू उत्पादक ने दिनांक 9.9.2002 की अधिसूचना संख्या 94/2002 द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जांच प्रारंभ अधिसूचना के संबंध में जानकारी/निवेदन प्रस्तुत नहीं किया है।

ड. पाटन मार्जिन की गणना संबंधी पद्धति

5. प्राधिकारी ने धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध माल के ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली (मूल जांच में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई) भेजी। किंतु किसी भी निर्यातक द्वारा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप तथा तरीके में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जानकारी प्राधिकारी को नहीं भेजी। जांच प्रारंभ अधिसूचना के संबंध में संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्रत्युत्तर नहीं दिया।

6. याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि विटामिन मिश्रण-पूर्व एबी2डी3के का पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद इयू के किसी भी निर्यातक ने भारत को कोई निर्यात नहीं किया। आगे यह भी कहा जाता है कि इसे भारतीय बाजार के लिए विशेषरूप से तैयार किया जाता है, अतः घरेलू बाजार सहित किसी अन्य देश को इसकी कोई बिक्री नहीं हुई। ऐसी स्थिति में जबकि संबद्ध माल का कोई निर्यातक नहीं है, पाटन मार्जिन का निर्धारण करना संभव नहीं है। डीजीसीआईएंडएस के सौदेवार आयात आंकड़ों की जांच की गई है और यह पाया गया कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का कोई आयात नहीं हुआ है।

7. प्राधिकारी ने संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों को आयातक प्रश्नावली (मूल जांच में याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई) भी भेजी। किंतु किसी भी आयातक द्वारा जांच प्रारंभि अधिसूचना के संबंध में प्राधिकारी को कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया। तदनुसार, यह तथ किया गया कि संबद्ध माल के आयातकों ने कोई सहयोग नहीं किया है और अपेक्षित जानकारी दर्ज नहीं की।

8. घरेलू उद्योग ने उन्हें भेजे गए आवेदन-पत्र के परिपत्र में कोई प्रत्युत्तर दर्ज नहीं किया। अपेक्षित जानकारी प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 1.12.2004 को एक अनुस्मारक भी भेजा गया। किंतु घरेलू उद्योग द्वारा कोई प्रत्युत्तर दर्ज नहीं कराया गया। चूंकि किसी इच्छुक पक्षकार द्वारा प्रश्नावली का कोई प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया, अतः प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क की मौजूदा मध्यावधि समीक्षा में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं कर सका।

च. क्षति तथा कारणात्मक संबंध

9. याचिकाकर्ता ने यह दलील दी कि घरेलू उत्पादक मै0 निकोलस पीरामल लि0 में मूल जांच के बाद काफी संरचनात्मक परिवर्तन हुआ है। अप्रैल, 2002 में मै0 निकोलस पीरामल का एक अन्य प्रमुख फार्मास्यूटीकल कंपनी अर्थात् मैसर्स रोन पाउलिंक, इंडिया के साथ विलय हो गया है। इन दोनों कंपनियों के विलयन के फलस्वरूप यह संभव हो पाया कि मूल कंपनी के उत्पादन केन्द्रों की संख्या में कमी करके क्षमता उपयोग को युक्तिसंगत बनाया जाए जिसके फलस्वरूप वृद्धि तथा लाभप्रदता का एक नया स्तर प्राप्त किया जा सके। याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि समग्र लाभ में 2003 की तुलना में 2004 में 65% की वृद्धि हुई है हालांकि बिक्री मात्रा में मामूली सी वृद्धि हुई है। यह भी दलील दी गई है कि आयातित मिश्रण-पूर्व उत्पाद की मांग में सतत गिरावट

रही है क्योंकि अन्य देशों के साथ-साथ चीन जनगण, से बहुत ही उच्च प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सभी प्रमुख विटामिनों की उपलब्धता में वृद्धि रही है। इस गतिविधि का बिक्रियों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर एक संभावित नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

10. घरेलू उद्योग से किसी भी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी यह जांच नहीं कर सका कि क्या संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध माल की वजह से घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति हुई है अथवा घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है। तदनुसार, प्राधिकारी का निर्णय है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध माल के आयात का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के लिए अक्षतिकारी कीमत का निर्धारण नहीं कर सका है और घरेलू उद्योग से प्रत्युत्तर के अभाव में जांच-अवधि के दौरान आयातों, यदि कोई हों, के कारण हुई क्षति का निर्धारण नहीं कर सका।

छ. अन्तिम जांच परिणाम

11. उपरोक्त के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष देता है कि घरेलू उद्योग सहित किसी भी इच्छुक पक्षकार से प्रत्युत्तर के अभाव में जटिल घटकों जैसे पाटन, वास्तविक क्षति तथा दोनों के बीच में कारणात्मक संबंध सावित नहीं हो सके। किसी भी पक्षकार की ओर से सहभागिता तथा सहयोग के अभाव में प्राधिकारी यह निष्कर्ष देने को बाध्य है कि संबद्ध देशों से संबद्ध माल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है। अतः प्राधिकारी का यह सिफारिश करने का प्रस्ताव है कि दिनांक 1.7.2002 की अधिसूचना संख्या 19/1/2001-डीजीएडी द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध माल के आयात पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाए।
12. उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष देता है कि:-
- (क) उपरोक्त को देखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह यथोचित समझता है कि दिनांक 1.7.2002 की अधिसूचना संख्या 19/1/2001-डीजीएडी द्वारा सिफारिश किए गए और संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975(यथासंशोधित) के अध्याय 23 के सीमाशुल्क उपर्योग संख्या 2309.90 के तहत वर्गीकृत विटामिन एबी2डी3के सभी आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किए जाने की सिफारिश की जाए।

- (ख) इस आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा शुल्क अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टैट) के समक्ष सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (यथासंशोधित) के अनुसार की जा सकेगी।

क्रिस्टी फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 4th March, 2005
Final Findings—(Mid-term Review)

Subject: Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigations concerning imports of Vitamin AB₂D₃K originating in or exported from EU, USA, Thailand and Singapore.

No. 15/21/2004- DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein also referred to as AD Rules) thereof:

A PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:

i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified final findings vide Notification No. 19/1/2001- DGAD dated 01/7/2002 recommending imposition of anti-dumping duties on all imports of Vitamin AB₂D₃K originating in or exported from EU, USA, Thailand and Singapore.

ii) The Customs Tariff Act, 1975(as amended) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 made thereunder require the Authority to review from time to time, the need for the continued imposition of definitive anti dumping duty imposed by the Central Government. European Union(EU hereinafter also referred to as EU) vide letter dated 24th August, 2004 had requested for initiating a review of the recommendation made by the Authority vide Notification No. 19/1/2001- DGAD dated 01/7/2002 due to changed circumstances.

iii) Having decided to review these final findings, the Authority initiated the present investigations vide Notification No. 15/21/2004-DGAD dated 14th September 2004 to review the need for continued imposition of anti dumping duty on Vitamin AB₂D₃K from EU, USA, Thailand and Singapore (hereinafter referred to as subject countries) in

accordance with the Customs Tariff Act,1975(as amended) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995(hereinafter referred to as AD Rules). This review covers all aspects of Notification No. 19/1/2001- DGAD dated 01/7/2002.

iv) The Designated Authority sent a copy of the Initiation Notification to the embassies of the subject countries / territories, the exporters, importers and the domestic industry as per the list available in the original Anti-dumping investigation and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation of this review investigation. None of the interested parties filed their submissions to the initiation notification.

v) A request was made to the Director General Commercial Intelligence& Statistics (DGCI&S) to make available details of imports of subject goods.

vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.

vii) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version submitted by interested parties for inspection.

viii) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views verbally in the public hearing held on 23rd December 2004. None of the interested parties attended the public hearing except the applicant of the mid-term review.

ix) There was no response to the initiation notification by any of the interested parties.

x) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed on 2nd January,2005 to known interested parties and none of the interested parties made any comments on the disclosure of facts.

xi) Investigations were carried out for the period of investigation (POI) from 1st April 2003 to 31st March 2004 (12 months). However information were called for injury analysis have been carried out for the years April 2000 – March 2001, April 2001 – March 2002, April 2002 – March 2003 and the period of investigation which were not provided by the domestic industry.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product involved in the original investigation and the current review is Vitamin AB₂D₃K falling under Chapter 23 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act. It is a loose brownish yellow coloured powder, containing AB₂D₃ and K groundnut meal is the carrier. This classification however, is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

C. LIKE ARTICLE

3. Vitamin AB₂D₃K is an essential component of poultry feed as it is to provide required vitamin level in poultry feed for better nutrition. It is added to the poultry feed at the poultry feed mills, hatcheries and farms who make their own feed. Vitamin AB₂D₃K is used interchangeably by the poultry feed mills and other users. It is noted that Vitamin AB₂D₃K produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported AB₂D₃K and is substitutable both commercially and technically. The subject goods produced by domestic industry has been treated as like article to the product exported from subject countries within the meaning of Rule 2(d).

D. DOMESTIC INDUSTRY

4. In the original investigation the application for anti dumping investigation was filed by M/s Nicholas Piramal India Ltd., on behalf of domestic industry. They were the major producer of the subject goods in India and had the required standing to file the petition under AD Rules. In this mid-term review anti-dumping investigation none of the domestic producer of the subject goods filed the information / submissions to the initiation notification of the mid-term review of the anti-dumping duty levied vide notification no. 94/2002-Customs, dated 09/9/2002.

E. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN:

5. The Authority sent exporters questionnaire to the known exporters (provided by the petitioner in the original investigation) of subject goods for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1) (e). However none of the exporter responded to the Authority with information for determination of normal value in the form and manner specified by the Authority. None of the exporters from the subject countries responded to the initiation notification.

6. The petitioner has submitted that there is no exports from EU of Vitamin pre-mix AB₂D₃K to India since the imposition of anti-dumping duty. It is further stated that it is specifically prepared for the Indian market therefore there were no sales to other countries including the domestic market. In a situation when there is no exports of the subject goods, the determination of dumping margin is not possible. The transaction wise import data of DGCI&S has been examined and found that there was no imports of subject goods during the POI.

7. The Authority also sent importer's questionnaire to known importers (provided by the petitioner in the original investigation) of the subject goods. However none of the importers responded to the Authority to the initiation notification. Accordingly it was held that importers of subject goods have also not cooperated and filed the required information.

733 SII 2005-3

8. The domestic industry did not file any response in the application pro-forma sent to them. A reminder was also sent on 01/12/2004 to furnish the required information. However no response was filed by domestic industry. Since none of the interested parties responded to the questionnaire, the Authority could not determine the normal value, export price and dumping margin in the present mid-term review of anti-dumping duty.

F. INJURY AND CAUSAL LINK:

9. The petitioner has argued that the domestic producer M/s. Nicholas Piramal Ltd., has undergone a significant structural change since the original investigation. In April 2002 M/s. Nicholas Piramal has merged with another major pharmaceutical company i.e., M/s. Rhone Poulenc, India. The merger of this two companies made it possible to rationalise capacity utilization by closing down the number of production centres of the original company leading towards a new level of growth and profitability. The petitioner has submitted that the overall profit has increased by 65% in 2004 compared with 2003 although sales volume has increased marginally. It is also argued that the demand for imported pre-mixes is gradually decreased due to increased availability of all major vitamins at highly competitive prices amongst other from China PR. This development could possibly have had a negative impact on the sales and injury to the domestic industry.

10. In absence of any response from the domestic industry, the Authority could not examine whether the imports of subject goods from subject countries have caused material injury to the domestic industry or likely to cause injury to domestic industry. Accordingly, the Authority holds that there is no impact of imports of subject goods from subject countries to the domestic industry. The Authority could not determine the non-injurious price for the domestic industry and also could not determine any injury due to imports during the period of investigation if any in absence of response from domestic industry.

G. FINAL FINDINGS:

11. From the above, the Authority has concluded that in absence of any response from any of the interested parties including the domestic industry, the critical parameters such as dumping, material injury and the causal relationship between the two could not be established. In the absence of participation and cooperation from any of the interested parties, the Authority is constrained to conclude that cessation of anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries is not likely to lead to continuation or recurrence of injury to the domestic industry. Hence, the Authority proposes to recommend to discontinue the anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries imposed vide Notification No. 19/1/2001- DGAD dated 01/7/2002.

12. The Authority after considering the foregoing, concludes that:

(a) In view of the above, the Designated Authority considers it appropriate to recommend discontinuation of the anti-dumping duties recommended earlier vide

Notification No. 19/1/2001- DGAD dated 01/7/2002 and imposed on all imports of Vitamin AB₂D₃K classified under Customs Sub headings nos. 2309.90 of chapter 23 of the Customs Tariff Act, 1975 (as amended) originating in or exported from subject countries.

(b) An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975(as amended).

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority